ज्ञान. आवाज़. लोकतंत्र.
प्रिया

केस स्टडी

“मातृ स्वास्थ्य के लिए ताजो परिवार ने की पहल”

दिनांक –

स्थान – तलवाड़ा –राजस्थान

सहयोग

dasra

Azim Premji Philanthropic Initiatives

वागड़ी भाषा में ताजो का अर्थ है "स्वस्थ" और इसलिए प्रिया ने ग्राम स्तर पर महिलाओं को "ताजो परिवार" के नाम से संगठित किया है । तलवाड़ा ब्लॉक के कुशलपुरा पंचायत की महिलाओं का संगठन ताजो परिवार के पहल पर पंचायत भवन (भारत निर्माण राजीव गाँधी सेवा केन्द्र) के सभागार में महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य को लेकर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधीत समस्याओं पर बात की गयी । इस कार्यक्रम का संचालन ताजो परिवार की अध्यक्ष श्रीमती बब्ली बुआ के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में लगभग 30 से 40 महिलाएं शामिल हुई। बब्ली बुआ ने सभी उपस्थित महिलाओं से आपनी वागड़ी भाषा में माहवारी को लेकर कुशलपुरा की महिलाओं में जो अवधारणाएं है, उन पर खुल कर चर्चा की... जैसे कि माहवारी वाले दिनों में हमें क्या-क्या करने से रोका जाता है । हम खाना नहीं बनाते है, कपड़े नहीं धोते है, पूजा पाठ नहीं करते है, खेत पर नहीं जाते है, आदि । इन सब कामों से इन दिनों हम सब दूर रहते है। उन्होंने पूछा कि क्या किसी को इसका कारण पता है ? एक महिला ने कहा कि इस समय जो हमारे शरीर से गंदा खुन निकलता है इस कारण हमें आपके द्वारा कहे गए कार्य करने नहीं दिये जाते । इस पर बब्ली बुआ ने एक कागज पर चित्र के माध्यम से माहवारी चक्र के बारे में जानकारी दी कि कैसे ईश्वर ने एक महिला के शरीर की रचना की है जिसके चलते हर महिला को प्रतिमाह मासिक धर्म से गुजरना पड़ता है । आगे उन्होंने समझाया कि किस उम्र में बच्चियों के गर्भाशय का विकास होता है, एक महिला कैसे गर्भवती बनती है, आदि । लेकिन हमको सब को बचपन से ही ये बताया गया कि कपड़ा वाला दिन अशुद्ध होता है । बबली बुआ ने चित्र के माध्यम से बताया कि किस तरह एक पुरुष का शुक्राणु महिला के गर्भाशय में प्रवेश कर अंडाणु से मिलता है। बुआ की बात सुनकर महिलाओं ने कहा कि इस तरह से हम पहले कभी भी बात नहीं किए और न तो इन विषयों पर हम महिलाओं को इतने विस्तार से कभी कोई जानकारी मिली और न ही हमने कभी इस पर खुलकर चर्चा की ।

उन्होंने महिलाओं से कहा कि भगवान ने बच्चों को जन्म देने की ताकत केवल हम महिलाओं को दी है और यह एक सामान्य प्रक्रिया है जो हर महिला के साथ होती है, लेकिन इन दिनों में हमें साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है और ऐसा न करने पर हमें कई गुप्त रोग भी हो सकते है । असावधानी की वजह से कई बार कुछ महिलाओं की बच्चेदानी को भी नुकसान पहुँचता है । बुआ ने कहा कि जैसे आज हम सब एक-जुट होकर यहां अपने स्वास्थ्य को लेकर चर्चा करने के लिए आए है ऐसे ही हमें आगे बढ़ कर साल में होने वाले चार ग्राम सभाओं क्रमशः 26 जनवरी, 1 मई, 15 अगस्त और 2 अक्टूवर से पहले होने वाले वाली महिला सभाओं में भाग लेकर अपने पंचायत के महिलाओं की समस्याओं से पंचायत को अवगत करवाना होगा । उन्होंने कहा कि जब तक हम ग्राम सभा एवं महिला सभा में शामिल होकर ग्राम विकास की चर्चा में भाग नहीं लेंगे और वहां अपनी समस्याओं को नहीं

उठाएंगे तब तक हमारी समस्याओं का समाधान नहीं हो पायेगा । बब्ली बुआ की बात सुनकर पंचायत के भमरीया गांव की महिलाओं ने भी अपनी समस्या बताई कि बुआ भमरीया गांव में आज भी आवागमन के लिए सड़क नहीं बनी है । जिससे वहां की गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है । बच्चों को स्कूल आने-जाने में भी समस्या होती है इसलिए वहां पर सड़क निर्माण होना बहुत जरूरी है । बबली बुआ और बैठक में उपस्थित प्रिया के एनिमेटर श्रीमती मनीषा सोमपुरा व ताजो परिवार की सभी महिलाओं ने उसी समय कुशलपुरा सरपंच श्री हीरालाल पवार से इस संर्दभ में बात की । इस पर श्री पवार जी ने बताया कि पंचायत के द्वारा सड़क निर्माण की सारी प्रक्रिया पूर्ण कर ली गयी है ,लेकिन मार्ग में पड़ने वाली कुछ जमीन वन विभाग के अधीन होने की वजह से वे कुछ नहीं कर पा रहे है । इसके लिए पंचायत को आप सबके सहयोग की आवश्यकता होगी । हमें इसके लिए एक-जुट होकर हमारे स्थानीय विधायक जी से मिलकर बात करनी होगी । इस पर ताजो परिवार की महिलाओं ने यह तय किया कि वे सब इसके लिए स्थानीय विधायक से मिलकर अपनी इस समस्या पर चर्चा अवश्य करेंगी । पंचायत जब भी हम महिलाओं को इस कार्य के लिए बुलाएगा हम सब एक-जुट होकर पंचायत के साथ खड़ी होगी । आज इन महिलाओं के प्रयास से सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो गया है ।